(i) Printed Pages : 4 Roll No. .....

(ii) Questions : 8 Sub. Code : 0 1 1 2

Exam. Code : 0 0 0 2

B.A./B.Sc. (General) 2nd Semester

(2053)

SANSKRIT (Elective)

Paper : Katha Niti Avem Vyakaran

Time Allowed : Three Hours] [Maximum Marks : 90

सूचना :—(1) सुन्दर, संक्षिप्त एवं सारगर्भित लिखें।

(2) उत्तर-पुस्तिका में प्रश्न संख्या अवश्य लिखें।

(3) प्रश्नों को क्रमशः हल करने का प्रयत्न करें।

1. निम्न गद्यांशों में से एक का सप्रसंग अनुवाद करें :—

(क) तावत्तृतीयेन पुस्तकमुदघाटयोक्तम् — "धर्मस्य त्वरिता गतिः। तन्नूनमेष धर्मस्तावत्। चतुर्थेनोक्तम् —

"इष्टं धर्मेण योजयते"। अथ तैश्च रासभः उष्ट्र गवायां बद्धः। तत्तु केनचित्तत्स्वामिनो रजकस्याग्रे कथितम्। यावद्रजकस्तेषां मूर्ख पण्डितानां प्रहारकरणाय समायातस्तावत्ते प्रणष्टाः।

(ख) अथ कदाचित्तेषां गोष्ठीगतानां जालहस्ता धीवराः प्रभूतैर्मत्स्यै व्यापादितैर्मस्तके विधृतैरस्तमनवेलायां तस्मिञ्जलाशये समायाताः। ततः सीललाशयं दृष्ट्वा मिथः प्रोचुः — "अहो, बहुमत्स्योऽयं ह्रदो दृश्यते, स्वल्पसलिलश्च। तत्प्रभातेऽत्रागमिष्यामः।" एवमुक्त्व स्वगृहं गताः।

(ग) अपरं त्वदीयं गीतं न मधुरस्वरम् शंखशब्दानुकारं दूरादपि श्रूयते। तदत्र क्षेत्रे रक्षापुरुषाः सुप्ता सन्ति। ते उत्थाय वधं बन्धनं वा करिष्यन्ति। तद्भक्षय तावदमृतमयीश्चिर्भटीः। मात्वमत्रः गीतव्यापारपरो भव।'' 1×5

2. निम्नलिखित श्लोकों में से **दो** की सप्रसंग व्याख्या करें :—

(क) सुबुद्धयो विनश्यन्ति दुष्टदैवेन नाशिताः।
स्वल्पधीरपि तस्मिंस्तु कुले नन्दति सन्ततम्।।

(ख) सर्पाणां च खलानां च सर्वेषां दुष्टचेतसाम्।
अभिप्राया न सिध्यन्ति तेनेदं वर्तते जगत्।।

(ग) स्थानत्रय - यतीनां च षडास्यानि रसा नव।
रागाः षट्त्रिंशतिर्भावाश्चत्वारिंशत्ततः स्मृताः।।

(घ) यदर्थं भ्रातरः पुत्राः अपि वाञ्छन्ति ये निजाः।
वधं राज्यकृतां राज्ञां, तद्राज्यं दूरतस्त्यजेत्।। 2×5

3. 'मूर्ख पण्डित कथा' अथवा 'रासभ-शृगाल कथा' में से एक कथा का सार लिखें। 1×5

4. निम्न श्लोकों में से **दो** की सप्रसंग व्याख्या करें :

(क) प्राणाघात निवृत्तिः परधन हरणे संयमः सत्यवाक्यं,
काले शक्त्या प्रदानं युवतिजन कथा मूक भावः परेषाम्।
तृष्णास्त्रोतोविभङ्गो गुरुषु च विनयः सर्वभूतानुकम्पा।
सर्वशास्त्रेष्वनुपहताविधिः श्रेयषामेष पन्थाः।।

(ख) परिवर्तिने संसारे मृतः को वा न जायते।
स जातो येन जातेन याति वंशः समुन्नतिम्।।

(ग) तानिन्द्रियाण्यविकलानि तदेव नाम
सा बुद्धिरप्रतिहता वचनं तदेव।
अर्थोष्मणा विरहितः पुरुषः क्षणेन
सोऽप्यन्य एव भवतीति विचित्रमेतत्।।

(घ) आज्ञा कीर्तिः पालनं ब्रह्मणानां दानं भोगो मित्रसंरक्षणं च।
येषामेते षड्गुणा न प्रवृत्ताः कोऽर्थस्तेषां पार्थिवोपाश्रयेण।। 2×5

5. निम्नलिखित सूक्तियों में से **किसी एक** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) अहह ! महतां निःसीमानश्चरित्रविभूतयः।

(ख) सर्वे गुणाः काञ्चनमाश्रयन्ति।

(ग) वाराङ्गनेव नृपनीतिरनेकरूपा। 1×5

6. निम्न शब्दों में से **दस** शब्दों को संस्कृत में लिखें :

खरगोश, गैंडा, नेवला, हाथी, कबूतर, चिड़िया, तोता, बाज, मोर, जामुन, बेल, चमेली, पराग, पत्ता। 10×1

7. (क) निम्न अव्ययों में से **पाँच** अव्ययों का वाक्यों में प्रयोग करें :—

कथम्, श्वः, सद्यः, पृष्ठतः, दक्षिणतः, उच्चैः, वामतः, अन्तः, बहिः, अद्यः। 5×1

(ख) निम्न संख्यावाची शब्दों में से **पाँच** को संस्कृत भाषा में लिखें :

52, 60, 65, 71, 76, 79, 83, 87, 90, 99. 5×1

(ग) सभी राशियों एव मास के नाम लिखिए। 5

(घ) निम्न शब्दों में से **दो** शब्दों के सम्पूर्ण विभक्ति रूप लिखें :

पितृ, गुरू, भवत्, अस्मद्। 2×5

(ङ) निम्न धातुओं में से दो धातुओं के निर्दिष्ट लकारों के रूप लिखें :

(1) √ भू (लट् लकार)

(2) √ लिख (लोट लकार)

(3) √ त्यज् (लृट लकार)

(4) √ दृश (विधिलिङ्ग लकार)। 2×5

8. निम्नलिखित में से **पाँच** वाक्यों का संस्कृत भाषा में अनुवाद करें :—

(क) हम संस्कृत पढ़ते हैं।

(ख) तुम दोनों भोजन खा रहे हो।

(ग) शिव को नमस्कार है।

(घ) सेवक मेरे लिए जल लाता है।

(ङ) आकाश में बादल हैं।

(च) हम प्रतिदिन आपस में खेलते हैं।

(छ) मैं कल बनारस जाऊँगा।

(ज) सदा सच बोलो, झूठ नहीं।

(झ) तुम सब बोलते हो।

(ञ) राम ने रावण को मारा। 5×2